Parsinium Hitpo Fonts

8340. SHRI SANJAY DALMIA:
MAULANA OBAEDULLAH KHAN AZMI:
SHRI S. K. T. RAMA-CHANDRAN:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that "Parsinium Hitpo Forus" known as Congress Grass is causing skin diseases and Bronicial Asthama is spread ing abundantly in Kanpur District of Uttar Pradesh; and

(b) if so, the steps being taken to stop growth/production of this poisinous grass in India?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI S, KRISHNA KUMAR): (a) Sir, Parthe-nium hysterophorus, a weed, "locally known as Congress Grass" grows in many parts of the country including Kanpur. This weed has been reported to cause allergy/skin diseases.

(b) The State Governments have been advised to take up following steps to prevent the spread of Parthenium weed:—

1. Distribution of pamphlets for the control of the Parthenium weed advo cating:—

(i) Physical removal of weeds soon after the on-set of monsoon;

(ii) Observance of proper precautions while undertaking physical removal of the weeds to reduce health hazards;

(iii) Foliar spray of 15 per cent common salt solution, Paraquat and 2, 4—D.

2. Mobilization of community efforts for controlling the weed in the no-man'- lands.

3, Publicity through various media viz. Akashwani, Doordarshan and Press to create awareness among the public for undertaking prompt conrol measures.

Impact' of Intensified Agriculture

8341. MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZmi: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the impact of intensified agriculture on environment; and

(b) the steps being-taken to avert eco-logical disaster caused by intensive agri-culture and to promote sustainable agri-culture?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) and (b) To minimise the adverse impact of Intensified Agriculture on Environment, if any, the on-going Crop Production Programmes have been suitably modified giving more emphasis on adoption of Integrated Nutrient and Pest Management, increased use of organics including green manure, proper Soil and Water Management and conservation etc.

प्रमाणित बीजों के उत्पादन और उनकी बिक्री में लगे सरकारी क्षेत्र के संस्थान

8342. श्री राम जेठमलानी :
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकारी क्षेत्र के अनेकों संस्थान प्रमाणित बीजों के उत्पादन और उनके विक्रय कार्य में लगे हैं ;

(ख) यदि हां, तो ऐसे संस्थान कौन-कौन से हैं जो मार्च, 1995 में कार्य कर रहे थे ;

(ग) वर्ष 1993–94 में इन संस्थानों ने किन-किन बीजों का कितनी-कितनी मात्रा

में उत्पादन किया और इन बीजों की कितनी-कितनी मात्रा किस किस मूल्य पर बेची गई ; और

(घ) सरकार इनमें से प्रत्येक संस्थान पर प्रतिवर्ष कुल कितनी-कितनी धनराशि व्यय करती है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) तथा (ख) मार्च, 1995 में प्रमाणित बीजों के उत्पादन और बिक्री में लगे सरकारी क्षेत्र के संस्थानों की सूची संलग्न विवरण –I में दी गई है (नीचे देखिए)

(ग) 1993-94 के दौरान, इन संस्थाओं द्वारा अनाजों, दलहनों, तिलहनों और रेशों आदि के 40.89 लाख क्विंटल प्रमाणीकृत/गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराये गए। राष्ट्रीय बीज निगम, जो राष्ट्रीय स्तर का सरकारी उपक्रम है, की मूल्य सूची अनुपत्र में दी गयी है। **(देखिये परिशिष्ट 173, अनुपत्र सं० 191)**

(घ) सरकार इन संस्थाओं पर सालाना सीधे कुछ खर्च नहीं करती है । फिर भी विभिन्न केन्द्रीय योजनाओं के अंतर्गत बुनियादी सुविधाओं के विकास, बीजों के उत्पादन और वितरण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है ।

विवरण

31 मार्च, 1995 तक प्रमाणित/गुणवत्ता वाले बीजों के उत्पादन में लगी सरकारी क्षेत्र की संस्थाओं की सूची

(क) राष्ट्र स्तरीय

(1) राष्ट्रीय बीज निगम लि०

(2) भारतीय राज्य फार्म निगम

(ख) भारतीय राज्य फार्म निगम

निम्नलिखित राज्यों के राजकीय बीज निगम :

(1) आन्ध्र प्रदेश
(2) असम
(3) बिहार
(4) हरियाणा
(5) गुजरात
(6) कर्नाटक
(7) महाराष्ट्र
(8) मध्य प्रदेश
(9) उड़ीसा
(10) पंजाब
(11) राजस्थान
(12) उत्तर प्रदेश
(13) पश्चिमी बंगाल

जल कृषि फार्मों का पुनः कृषि भूमि में परिवर्तित किया जाना

8343. श्री एस० आस्टिन : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार जल कृषि फार्मों को पुनः कृषि भूमियों में परिवर्तित करने हेतु वित्त कि व्यवस्था करेगी;

(ख) क्या यह सच है कि छोटे किसान पहले वाली कृषि फसलों का फिर से उत्पादन शुरू करने के लिए उत्सुक हैं; और

(ग) आन्ध्र प्रदेश में जल कृषि भूमि को पुनः साधारण कृषि फार्म भूमियों में परिवर्तित करने के कार्य को बढ़ावा देने हेतु क्या कदम उठाए जाने का विचार है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) से (ग) जलकृषि फार्मों को पुनः कृषि भूमि में परिवर्तित करने हेतु वित्त की व्यवस्था करने के लिए भारत सरकार के पास कोई प्रस्ताव नहीं है । आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा भी इस दिशा में कोई कदम उठाने का विचार नहीं है ।

Loss suffered by coastal States

S344. SHRI SARADA MOHANTY:
SHRI PRAVAT KUMAR SAMANTARAY:
SHRI RAHASB1HARI BAR1K:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the details of loss sustained by Orissa, Andhra Pradesh and other coastal